अध्याय -07

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

पाठ की रूपरेखा:-

© JCERT not to be republished

परिवहन के साधन

- **स्थल परिवहन**
  - **सड़क परिवहन**
    - किसी भी देश के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में सड़क परिवहन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है क्योंकि कम एवं मध्यम दूरियों के लिए यह यातायात का सर्वाधिक सुलभ साधन है।
  - **रेल परिवहन**
    - रेल परिवहन का एक ऐसा माध्यम है जिसमें यात्रियों एवं वस्तुओं को पटरियों पर चलने वाले वाहनों के द्वारा एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जाता है।
  - **पाइपलाइन परिवहन**
    - तरल पदार्थों और गैस की लंबी दूरियों के परिवहन के लिए पाइपलाइन परिवहन, परिवहन का सबसे सुविधाजनक साधन है, जैसे—नहरकटिया—नूनमती—बरौनी पाइपलाइन, सलाया—कोयली—मथुरा पाइपलाइन, मुंबई—हाई—मुंबई—अंकलेश्वर—कोयली पाइपलाइन हजीरा—विजयपुर—जगदीशपुर गैस पाइपलाइन
- **जल परिवहन**
  - जल परिवहन से अभिप्राय वस्तुओं एवं यात्रियों को जलमार्ग से लाने व ले जाने से है। यह परिवहन के सभी साधनों में सबसे सस्ता तथा सुलभ साधन होता है। इसमें आंतरिक जल परिवहन एवं समुद्री परिवहन को शामिल किया जाता है।
  - **आंतरिक जल परिवहन**
  - **समुद्री परिवहन**
- **वायु परिवहन**
  - हवाई जहाज से वायु मार्ग द्वारा वस्तुओं एवं व्यक्तियों को तीव्र गति से लाने एवं ले जाने के उपयोग को वायु परिवहन कहते हैं। हैं। इसमें घरेलु विमान सेवा (सार्वजनिक प्राधिकरण एवं निजी विमान सेवा) एवं अंतर्राष्ट्रीय विमान सेवा को शामिल किया जाता है।
  - **घरेलु विमान सेवा**
    - सार्वजनिक प्राधिकरण
    - एवं निजी विमान सेवा
  - **अंतर्राष्ट्रीय विमान सेवा**

© JCERT not to be republished

JEPC Reference Book for Free Distribu

भारत में सड़क नेटवर्क

स्वर्णिम चतुर्भुज

यह भारत का एक प्रसिद्ध राजमार्ग है, जो कई औद्योगिक सांस्कृतिक एवं कृषि संबंधी नगरों को जोड़ता है। इसका आकार चतुर्भुज के समान होने के कारण इसे स्वर्णिम चतुर्भुज कहा जाता है। भारत के सड़कों की दशा सुधारने के लिए इस परियोजना को 2001 में शुरू किया गया एवं 2012 में यह पूर्ण हुआ। इसकी कुल लंबाई 5846 किलोमीटर है, यह भारत के प्रसिद्ध महानगरों को जोड़ता है।

- दिल्ली से कोलकाता के बीच की दूरी 1453 किलोमीटर।
- कोलकाता से चेन्नई की दूरी 1684 किलोमीटर।
- चेन्नई से महाराष्ट्र की दूरी 1290 किलोमीटर।
- महाराष्ट्र से दिल्ली की दूरी 1419 किलोमीटर।

राष्ट्रीय राजमार्ग

चार से छः लाइन वाली सड़कें जो राज्यों की राजधानियों, बड़े बड़े औद्योगिक नगरों, रेलवे जंक्शनों तथा प्रमुख बंदरगाहों को मिलाते हैं, राष्ट्रीय राजमार्ग कहलाते हैं। इसकी कुल लंबाई 136440 किलोमीटर है।

राज्य राजमार्ग

राज्यों की राजधानियों को जिला मुख्यालयों से जोड़ने वाली सड़कों को राज्य राजमार्ग कहा जाता है। इसकी कुल लंबाई 176818 किलोमीटर है।

जिला सड़कें

विभिन्न प्रशासनिक केंद्रों को जिला मुख्यालयों से जोड़ने वाली सड़कों को जिला सड़कें कहा जाता है। इसकी कुल लंबाई 632154 किलोमीटर है।

ग्रामीण सड़कें

यह सड़कें ग्रामीण क्षेत्रों को आपस में जोड़ती है। इसकी कुल लंबाई 45 लाख किलोमीटर है।

© JCERT not to be republished

स्रोत- वार्षिक रिपोर्ट, 2020-21
सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार।

भारत के प्रमुख समुद्री पत्तन

भारत का संपूर्ण समुद्री तट रेखा द्वीप समूह सहित 7516.6 किलोमीटर है, तथा उन्हीं तटों के साथ 13 प्रमुख तथा 200 मध्यम व छोटे पत्तन स्थित हैं।

भारत के पश्चिमी तट के प्रमुख पत्तन

मुंबई पत्तन

मुंबई भारत का सबसे बड़ा प्राकृतिक पत्तन है। इस पत्तन के मुख्य आयातित वस्तुओं में खनिज तेल, उत्तम किस्म के कपास, नवीनतम मशीनरी एवं रसायन आदि हैं। निर्यात की जाने वाली वस्तुओं में सूती वस्त्र, चमड़ा, तंबाकू, मैंगनीज आदि हैं।

न्हावाशेवा पत्तन

इस पत्तन के निर्माण का मुख्य उद्देश्य मुंबई पत्तन पर भीड़-भाड़ को कम करना था।

कांदला पत्तन

यह एक ज्वारीय पत्तन है जो कच्छ की खाड़ी के पूर्वी शीर्ष पर कांदला क्रीक में स्थित है। यहाँ पर आयात एवं निर्यात की वस्तुओं में मुख्यत: कच्चे तेल के विभिन्न उत्पाद, उर्वरक, खाद्यान्न, नमक, कपास, सीमेंट, चीनी तथा खाद्य तेल प्रमुख है।

मार्मागाओ पत्तन

यह गोवा के तट पर जुआरी नदमुख के मुहाने पर स्थित एक प्राकृतिक पत्तन है। यहाँ से मुख्यत: लौह अयस्क, मछलियों के उत्पादों, नारियल तथा मसालों का निर्यात किया जाता है।

न्यू मंगलौर पत्तन

यह कर्नाटक के तट पर स्थित एक प्राकृतिक पत्तन है। यहाँ से मुख्यत: कुद्रेमुख का लौह अयस्क निर्यात किया जाता है। आयातित वस्तुओं में उर्वरक, पेट्रोलियम उत्पाद तथा खाने के तेल आदि हैं।

कोच्चि पत्तन

वेंबनाद कयाल, जिसे 'अरब सागर की रानी' भी कहा जाता है, के मुहाने पर स्थित कोच्चि एक प्राकृतिक पोताश्रय है। यहाँ से चाय, काजू गिरी, रबड़, मछली, समुद्री आहार, कहवा तथा गर्म मसालों का निर्यात तथा खनिज तेल एवं रासायनिक उर्वरकों का आयात किया जाता है।

© JCERT not to be republished

भारत के प्रमुख समुद्री पत्तन

भारत के पूर्वी तट प्रमुख पत्तन

कोलकाता पत्तन

कोलकाता पूर्वी तट का सबसे महत्वपूर्ण अंत: स्थलीय ज्वारी नदी पत्तन है। यहाँ से मुख्यत: पटसन उत्पादों, पशुओं की अस्थियों एवं अस्थिचूर्ण, बिजली का सामान, चमड़े का सामान, लोहा इस्पात, मशीनरी, चाय एवं लकड़ी का निर्यात किया जाता है, तथा आयातित वस्तुओं में मैगनीज, सीमेंट, कच्चा तेल, खाद्यान्न, उर्वरक, मशीनरी आदि हैं।

हल्दिया पत्तन

इसका विकास कोलकाता पत्तन से व्यापारिक दबाव को कम करने के लिए किया गया है। यहाँ विभिन्न प्रकार की वस्तुओं का आयात एवं निर्यात होता है। जिनमें इंजीनियरिंग का सामान, मशीनें, पेट्रोलियम उत्पाद, रसायन, चाय, चीनी, लोहा इस्पात, जूट एवं जूट उत्पाद, कपास और सूती धागे प्रमुख है।

पारादीप पत्तन

पारादीप पोताश्रय महानदी डेल्टा पर स्थित है यहाँ से उड़ीसा का लौह अयस्क निर्यात किया जाता है। यह मुख्य रूप से उड़ीसा को ही आयात निर्यात की सुविधाएँ प्रदान करता है।

विशाखापत्तनम पत्तन

यह आंध्र प्रदेश के तट पर स्थित भारत का सबसे गहरा व सुरक्षित पत्तन है। यहाँ से मैंगनीज, लौह अयस्क, गर्म मसाले आदि निर्यात किए जाते हैं। आयातित वस्तुओं में खाद्यान्न तेल, उर्वरक, कोयला, विलासिता की वस्तुएँ तथा अन्य औद्योगिक उत्पाद प्रमुख है।

एन्नोर पत्तन

यह एक नया पत्तन है, इसका निर्माण चेन्नई पत्तन के दबाव को कम करने के लिए किया गया है। इस पत्तन से चमड़ा, मशीनरी, अभ्रक, चावल, चीनी आदि का निर्यात किया जाता है। आयातित वस्तुओं में सीमेंट, कपास, खाद्य तेल, उर्वरक, मशीनरी, पेट्रोलियम पदार्थ आदि प्रमुख हैं।

तूतीकोरिन पत्तन

इसे हाल ही में तमिलनाडु के तट पर विकसित किया गया है यह भारत का पहला कार्पोरेट पत्तन है। यहाँ से निर्यात होने वाली मुख्य वस्तुएँ इलायची, कपास के उत्पाद एवं चमड़ा है। जबकि आयातित वस्तुओं में कोयला, उर्वरक, हार्डवेयर, मशीनरी इत्यादी प्रमुख हैं।

चेन्नई पत्तन

यह तमिलनाडु के तट पर स्थित भारत का सबसे गहरा व सुरक्षित पत्तन है। यहाँ से मैंगनीज, लौह अयस्क, गर्म मसाले आदि निर्यात किए जाते हैं। आयातित वस्तुओं में खाद्यान्न तेल, उर्वरक, कोयला, विलासिता की वस्तुएँ तथा अन्य औद्योगिक उत्पाद प्रमुख है।

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में स्थित पत्तन

पोर्ट ब्लेयर पत्तन

पोर्ट ब्लेयर को देश के 13वें पत्तन के रूप में विकसित किया गया है।
सामरिक एवं आर्थिक दृष्टिकोण यह एक महत्वपूर्ण पत्तन है। यह अंडमान निकोबार द्वीप समूह के लिए 'पोर्ट ऑफ कॉल' की सुविधा प्रदान करता है।

© JCERT not to be republished

संचार के साधन

- रेडियों
- टेलीविजन
- टेलीफोन
- मोबाइल फोन
- ईमेल
- समाचार पत्र एवं पत्रिका

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

दो देशों के बीच होने वाले व्यापार को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कहा जाता है। वर्ष 1950-51 में भारत का विदेशी व्यापार का मूल्य 1214 करोड़ रुपए था जो वर्ष 2016-17 में बढ़कर 4429762 करोड़ रुपए हो गया।

आयात

जब किसी दूसरे देश का सामान अपने देश में व्यापार के लिए आता है तो उसे आयात कहा जाता है। वर्ष 2016-17 में भारत का आयात मूल्य 2577422 करोड़ रुपए हो गया।

निर्यात

जब एक देश का समान किसी दूसरे देश में व्यापार के लिए जाता है तो उसे निर्यात कहा जाता है। वर्ष 2016-17 में भारत का निर्यात मूल्य 1852340 करोड़ रुपए हो गया।

व्यापार संतुलन

किसी भी देश के निर्यात और आयात में अंतर को व्यापार संतुलन कहते हैं। वर्ष 2016-17 में भारत के व्यापार घाटे (-725082 करोड़ रुपए) में वृद्धि का प्रमुख कारण अपरिष्कृत पेट्रोलियम का आयात है।

पर्यटन : एक व्यापार के रूप में

भारत में पर्यटन उद्योग में 150 लाख (15 मिलियन) से अधिक व्यक्ति सीधे तौर पर लगे हुए हैं।

पर्यटन से लाभ

- यह राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को प्रोत्साहित करता है।
- यह स्थानीय हस्त कला एवं सांस्कृतिक उद्यमों को बढ़ावा देता है।
- इसके द्वारा एक दूसरे देशों की संस्कृति और विरासत को भली-भांति समझने में सहायता मिलती है।

© JCERT not to be republished

JEPC Reference Book for Free Distribution : 2022-23

अभ्यास

1. बहुवैकल्पिक प्रश्न

(i) निम्न से कौन-से दो दूरस्थ स्थित स्थान पूर्वी-पश्चिमी गलियारे से जुड़े हैं?

(क) मुंबई तथा नागपुर

(ग) सिलचर तथा पोरबंदर

(ख) मुंबई और कोलकाता

(घ) नागपुर तथा सिलिगुड़ी

उत्तर: (ग) सिलचर तथा पोरबंदर

(ii) निम्नलिखित में से परिवहन का कौन-सा साधन वहनांतरण हानियों तथा देरी को घटाता है?

(क) रेल परिवहन

(ग) सड़क परिवहन

(ख) पाइपलाइन

(घ) जल परिवहन

उत्तर: (ख) पाइपलाइन

(iii) निम्न में से कौन-सा राज्य हजीरा – विजयपुर- जगदीशपुर पाइप लाइन से नहीं जुड़ा है?

(क) मध्य प्रदेश

(ग) महाराष्ट्र

(ख) गुजरात

(घ) उत्तर प्रदेश

उत्तर: (ग) महाराष्ट्र

(iv) इनमें से कौन-सा पत्तन पूर्वी तट पर स्थित है जो अंतः स्थलीय तथा अधिकतम गहराई का पतन है तथा पूर्ण सुरक्षित है?

(क) चेन्नई

(ग) पारादीप

(ख) तूतीकोरिन

(घ) विशाखापट्नम

उत्तर: (घ) विशाखापट्नम

© JCERT not to be republished

(v) निम्न में से कौन-सा परिवहन साधन भारत में प्रमुख साधन है?

(क) पाइपलाइन

(ग) रेल परिवहन

(ख) सड़क परिवहन

(घ) वायु परिवहन

उत्तर: (ग) रेल परिवहन

(vi) निम्न से कौन-सा शब्द दो या अधिक देशों के व्यापार को दर्शाता है?

(क) आंतरिक व्यापार

(ग) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

(ख) बाहरी व्यापार

(घ) स्थानीय व्यापार

उत्तर: (ग) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दीजिए।

(i) सड़क परिवहन के तीन गुण बताएँ।

उत्तर: (i) सड़क ऊबड़-खाबड़ धरातल और पर्वतों पर बनाई जा सकती है।

(ii) सड़क परिवहन अपेक्षाकृत कम व्यक्तियों, कम दूरी व कम वस्तुओं के परिवहन में कम खर्चीला है।

(iii) सड़क परिवहन के माध्यम से घर-घर सेवाएँ आसानी से उपलब्ध होती है तथा सामान उतारने चढ़ाने की लागत भी अपेक्षाकृत कम है।

(iv) रेलवे लाइन की अपेक्षा सड़कों के निर्माण में कम खर्च आता है।

(ii) रेल परिवहन कहाँ पर अत्यधिक सुविधाजनक परिवहन साधन है तथा क्यों?

उत्तर: (i) रेल यात्री तथा माल ढोने का प्रमुख साधन है।

(ii) रेल परिवहन से कई तरह के कार्य एक साथ किय जा सकते है जैसे व्यापार, यात्रा तथा माल की ढुलाई आदि।

(iii) भारत में रेल देश की आर्थिक विकास को बढ़ाती है।

(iv) रेल भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र का सबसे बड़ा उपक्रम है।

© JCERT not to be republished

(v) रेल मैदानी क्षेत्रों की उच्च जनसंख्या के अनुकूल परिवहन का साधन है।

(iii) सीमांत सड़कों का महत्त्व बताएँ।

उत्तर: (i) रक्षा की दृष्टि से सीमांत क्षेत्र देश के उत्तर तथा उत्तर-पूर्वी सीमा के लिए महत्वपूर्ण है।

(ii) दुर्गम क्षेत्रों पर पहुँचने के लिए ये सड़के महत्वपूर्ण है।

(iii) ये सड़के देश की सीमा सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

(iv) व्यापार से आप क्या समझते हैं? स्थानीय व अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अंतर स्पष्ट करें।

उत्तर: दो या अधिक पक्षों के बीच के व्यावसायिक गतिविधियों को व्यापार कहते हैं। देश के अंदर होने वाले व्यापार को स्थानीय व्यापार कहते हैं। दो देशों के बीच होने वाले व्यापार को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कहा जाता है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 120 शब्दों में दीजिए।

(i) परिवहन तथा संचार के साधन किसी देश की जीवन रेखा तथा अर्थव्यवस्था क्यों कहे जाते हैं?

उत्तर: परिवहन तथा संचार के साधन किसी देश की जीवन रेखा कहे जाते हैं क्योंकि देश में लोगों, तकनीकी आदि का प्रवाह इन्ही पर निर्भर करता है। माल और वस्तुओं को परिवहन के बिना एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुँचाना कठिन है। स्थल परिवहन, रेल परिवहन, जल परिवहन तथा वायु परिवहन देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने के साथ ही व्यक्ति के प्रतिदिन की जीवन रेखा को भी प्रभावित करते हैं। सड़क और रेल परिवहन वस्तुओं तथा यात्रियों के परिवहन का मुख्य साधन है। जल परिवहन, परिवहन का सबसे सस्ता साधन है यह भारी तथा स्थूलकाय वस्तुओं को ढोने के अनुकूल है। वायु परिवहन भी वर्तमान समय में परिवहन का सबसे तीव्र, आरामदायक एवं प्रतिष्ठित साधन है। इसके द्वारा अत्यधिक दुर्गम स्थानों को सुगमता पूर्वक पार किया जा सकता है।

© JCERT not to be republished

(ii) पिछले पंद्रह वर्षों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की बदलती प्रवृत्ति पर एक लेख लिखें।

उत्तर: स्वतंत्रता के पश्चात से भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का स्वरूप निरंतर बदलता रहा है। पिछले 15 वर्षों में इसमें होने वाले मुख्य परिवर्तनों का वर्णन इस प्रकार है:

भारत का विदेशी व्यापार लगातार विश्व के कोने कोने में फैल रहा है। हमारे देश का विश्व के सभी प्रमुख देशों तथा व्यापार संघों के साथ व्यापारिक संबंध है।

भारत के निर्यात में अत्याधिक वृद्धि हुई है 2016 - 17 तक निर्यात वृद्धि वाली वस्तुएं निम्नलिखित है:

- रतन वह जवाहरात (17.02%)
- पेट्रोलियम उत्पाद कोयला सहित (12.06%)
- कृषि से संबंधित उत्पाद (वृद्धि 8.64%)
- खनिज व अयस्क (6.9 %)

भारत में आयात होने वाली वस्तुओं में निम्नलिखित वस्तुओं शामिल है:

- पेट्रोलियम तथा पेट्रोलियम उत्पाद (वृद्धि 22.4%)
- मोती तथा बहुमुल्य रत्न (12.8%)
- मशीनरी (8.9%)
- भारी वस्तुओं के कुल आयात में 28.2% (कुल आयात का) वृद्धि हुई है। इन वस्तुओं में उर्वरक, खाद्यान्न, वनस्पति तेल, छपाई मशीनें आदि शामिल है।
- भारत में पर्यटन उद्योग में भी महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। वर्ष 2014 के अपेक्षा 2015 के दौरान देश में विदेशी पर्यटकों के आगमन में 4.5 % वृद्धि दर्ज की गई है। इससे देश को ₹ 13,5193 करोड़ की विदेशी मुद्रा प्राप्त हो रही है।
- पिछले 15 वर्षों में वस्तुओं के आयात निर्यात की अपेक्षा सूचना प्रौद्योगिकी का आदान-प्रदान अधिक बढ़ा है । भारत विश्व में एक साफ्टवेयर महाशक्ति के रूप में उभर कर आया है। अतः सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से देश काफी मात्रा में विदेशी मुद्रा अर्जित कर रहा है।

© JCERT not to be republished

Notes

© JCERT
not to be republished